नाम रस पीन वालेयो

नाम रस पीन वालेयो

अज़ थोड़ी जेही सानूं वी पिला देयो,
नाम रस पीन वालेयो ।
नशा नाम वाला सानूं भी चढ़ा दियो
नाम रस पीन वालेयो

नाम दी बूटी नू लाई जावो रगड़े,
तेर मेर वाले सब मुक्क जान झगड़े ।
ऐसा प्रेम दा पाठ पढ़ा देयो
नाम रस पीन वालेयो

नाम दीवानियो नाम वंजारियो,
मस्त अलबेले संतों भगतो प्यारियो ।
यार अपने नाल सानू भी मिला दियो
नाम रस पीन वालेयो

ख़ाली ना रह जावे अज पैमाना कोई,
मुड़ ना जावे प्यासा प्रेम दीवाना कोई ।
सारा महख़ाना साकी दा लुटा दियो
नाम रस पीन वालेयो

आखदा **'मधुप'** अज पीनो नहियो हटना,
नाम दी मस्ती च झूम झूम नचना ।
ऐसी नाम खुमारी चढ़ा दियो
नाम रस पीन वालेयो

नोट: सर्वाधिकार लेखक द्वारा सुरक्षित, भजन के शब्दों की तोड़ मोड़ करना सख्त वर्जित है.

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33595/title/naam-rass-pin-waliyo

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |